an>

Title: Need to take steps to revive closed sugar mill in Muderva in Basti Parliamentary Constituency.

श्री हरीशचन्द्र उर्फ हरीश द्विवेदी (बस्ती) : माननीय अध्यक्ष महोदया, मेरे पास दो विषय हैं। एक विषय आ गया है, यदि आपकी अनुमति हो, तो मैं दूसरे विषय पर अपनी बात कह दूँ।

माननीय अध्यक्ष : ठीक है, आप अपनी बात कहें।

श्री हरीशचन्द्र उर्फ हरीश द्विवेदी : मेरे संसदीय क्षेत्र में गन्ना एक प्रमुख फसल होने के साथ-साथ यह किसानों के जीवन का आधार है। रहने के लिए मकान, बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, बेटियों की शादी से लेकर किसानों के तमाम सपने गन्ने की फसल से मिलने वाले मूल्य पर ही निर्भर होते हैं। किन्तु पिछले कुछ वर्षों से गन्ना किसान, मिल मालिकों और सरकार की उपेक्षा के शिकार हो रहे हैं। इससे इनका व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है।

मेरे संसदीय क्षेत्र बस्ती में कुल चार चीनी मिलें- बस्ती, वाल्टरगंज, मुंडेरवा और उधौली में थीं। वर्ष 2002 में कतिपय कारणों से अचानक मुडेरवा चीनी मिल बंद कर दी गयी। इसके विरोध में किसानों ने आंदोलन किया। तीन किसान इस आंदोलन में अपनी जान तक गवां चुके हैं। फिर भी चीनी मिल चालू नहीं हो पायी। वर्ष 2012 में अपने बड़े दाने के लिए मशहूर बस्ती चीनी मिल को भी बंद कर दिया गया। तब से लेकर अब तक मिल के गेट पर किसानों का अनवरत धरना चल रहा है। फिर भी स्थिति जस की तस है। दुर्भाग्य से इस वर्ष वाल्टरगंज चीनी मिल को भी बंद किया जा रहा है।

बज़ाज ग्रुप द्वारा संचालित बस्ती और वाल्टरगंज चीनी मिलों में आर्थिक भ्रष्टाचार और कर्मचारियों के शोषण की व्यापक शिकायत मिल रही है। इसकी भी उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। मैं सरकार से निवेदन करता हूँ कि मेरे संसदीय क्षेत्र के गन्ना किसानों की दशा पर गंभीरता से विचार करते हुए बंद हो चुकी दोनों चीनी मिलों को चालू कराया जाए।